



DAINIK BHASKAR

कार को इंडियन सोलर व्हीकल चैंपियनशिप में मिला पुरस्कार, सौर ऊर्जा के साथ-साथ बिजली से चलने में भी सक्षम है कार
स्टूडेंट्स ने बनाई सोलर कार, 1 बार चार्ज करने पर तय करेगी 150 किमी की दूरी

वाईएमसीए के स्टूडेंट्स ने इस कार को छह माह में बनाया है

भरतनाथ गुप्त | फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की 25 स्टूडेंट्स इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स की टीम ने सौर ऊर्जा से चलने वाली कार बनाई है। इस कार का वजन 138 किग्रा है। यह एक बार चार्ज होने पर 45 किमी प्रति घंटे की गति से 150 किलोमीटर तक

जा सकती है। यह बिजली से चार्ज करने में चार घंटे का समय लेगी है। यह 240 वाट मोनोक्रिस्टलिन (48 वॉल्ट) सोलर पैनल के माध्यम से भी चार्ज हो सकती है। इसमें 48 वॉल्ट की लिथियम आयन बैटरी लगी है जो इसे स्टार्ट बैकअप प्रदान करती है। इस कार का प्रदर्शन अल्ताज खिले के मुलाना स्थित महर्षि मारकंडेश्वर विश्वविद्यालय में आयोजित इंडियन सोलर व्हीकल चैंपियनशिप में किया गया। इसमें कार को मेन एंड्रयोरस तथा लाइटवेट श्रेणी में प्रथम पुरस्कार



फरीदाबाद, कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने इंडियन सोलर व्हीकल चैंपियनशिप में पुरस्कार जीतने पर टीम को को बधाई दी है। उन्होंने इसे तैयार करने में खर्चवा देते खरे सभी फैक्टरी लक्ष्यों एवं स्टूडेंट्स की सहायता की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की परियोजनाओं से नए नए लोगों में इंजीनियरिंग के क्षेत्र में रुचि उत्पन्न कर उत्साहित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के स्रोत के रूप में सौर ऊर्जा के विद्यमान इस्तेमाल के परिणामस्वरूप तेजी से जलवायु परिवर्तन हो रहा है, जिससे पर्यावरण का सतह भी बढ़ा है। देश में अद्वितीयता के माध्यम से ऊर्जा और ऊर्जा तथा स्थिरता व्हीकल है, जो पर्यावरण को खराब-खराब ऊर्जा को भी खराब करते हैं।

कुलपति ने पुरस्कार जीतने पर टीम को को बधाई दी

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने इंडियन सोलर व्हीकल चैंपियनशिप में पुरस्कार जीतने पर टीम को को बधाई दी है। उन्होंने इसे तैयार करने में खर्चवा देते खरे सभी फैक्टरी लक्ष्यों एवं स्टूडेंट्स की सहायता की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की परियोजनाओं से नए नए लोगों में इंजीनियरिंग के क्षेत्र में रुचि उत्पन्न कर उत्साहित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के स्रोत के रूप में सौर ऊर्जा के विद्यमान इस्तेमाल के परिणामस्वरूप तेजी से जलवायु परिवर्तन हो रहा है, जिससे पर्यावरण का सतह भी बढ़ा है। देश में अद्वितीयता के माध्यम से ऊर्जा और ऊर्जा तथा स्थिरता व्हीकल है, जो पर्यावरण को खराब-खराब ऊर्जा को भी खराब करते हैं।

को छह माह में बनाया है। इसमें लगभग 1.5 लाख रुपए की लागत आई है। कार बनाने वाली टीम की कैप्टन पल्लवी शर्मा के मुताबिक इस तरह की चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के उद्देश्य से बनाया गया था, लेकिन इसका प्रयोग भरोसे उपयोग के लिए भी किया जा सकता है। यह परियोजना को प्रदूषित करने वाले पेट्रोलियम आधारित वाहन का विकल्प है। टीम के सदस्य कुणा झा के अनुसार उनका अपना लक्ष्य वाहन को अचोड़ करना तथा डिजाइन में बदलाव करना है।

फरीदाबाद, कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने इंडियन सोलर व्हीकल चैंपियनशिप में पुरस्कार जीतने पर टीम को को बधाई दी है। उन्होंने इसे तैयार करने में खर्चवा देते खरे सभी फैक्टरी लक्ष्यों एवं स्टूडेंट्स की सहायता की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की परियोजनाओं से नए नए लोगों में इंजीनियरिंग के क्षेत्र में रुचि उत्पन्न कर उत्साहित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के स्रोत के रूप में सौर ऊर्जा के विद्यमान इस्तेमाल के परिणामस्वरूप तेजी से जलवायु परिवर्तन हो रहा है, जिससे पर्यावरण का सतह भी बढ़ा है। देश में अद्वितीयता के माध्यम से ऊर्जा और ऊर्जा तथा स्थिरता व्हीकल है, जो पर्यावरण को खराब-खराब ऊर्जा को भी खराब करते हैं।

HINDUSTAN

सोलर कार को पहला पुरस्कार मिला

उपलब्धि

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग छात्रों ने एक बार फिर प्रतिभा का परिचय दिया है। संस्थान के 25 इंजीनियरिंग छात्रों ने सोलर कार बना राष्ट्रीय प्रतियोगिता में नाम चमकाया है।

दरअसल, मुलाना स्थित महर्षि मारकंडेश्वर विश्वविद्यालय में इंडियन सोलर व्हीकल चैंपियनशिप का आयोजन हुआ था। प्रतियोगिता में

प्रतिभा

- महर्षि मारकंडेश्वर विश्वविद्यालय में हुई थी सोलर व्हीकल चैंपियनशिप
- वाईएमसीए विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग छात्रों ने बनाई है कार

वाईएमसीए के छात्रों की सोलर कार को दो श्रेणियों में पहला और ओवरऑल दूसरा पुरस्कार मिला। प्रतियोगिता 16 मार्च को हुई थी, जिससे हिस्सा लेने वाले इंजीनियरिंग के छात्र गुरुवार को वाईएमसीए यूनिवर्सिटी लौटे हैं। इंडियन सोलर

व्हीकल चैंपियनशिप का आयोजन सौर ऊर्जा के प्रभावी उपयोग के नए विचारों को प्रोत्साहित करना है।

इसमें देशभर के संस्थानों से आए प्रतिभागी शामिल हुए थे। वाईएमसीए को मेन एंड्रयोरस और लाइटवेट श्रेणी में पहला पुरस्कार मिला है। इसके अलावा ओवरऑल प्रतियोगिता में टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया। छात्रों ने इस कार को 1.5 लाख रुपये की लागत से छह महीने में तैयार किया है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने छात्रों को इस जीत के लिए बधाई दी। एक बार चार्जिंग पर यह सोलर कार 150 किलोमीटर चलेगी।



DAINIK JAGRAN

वाइएमसीए के छात्रों की बनाई सोलर कार पुरस्कृत

एक बार चार्ज करने पर 150 किमी की दूरी तय करने में सक्षम

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाइएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद की 25 सदस्यीय इंजीनियरिंग छात्रों की टीम ने सौर ऊर्जा से चलने वाली कार बनाई है। इस कार का प्रदर्शन महर्षि मारकंडेश्वर विश्वविद्यालय, मुलाना में आयोजित इंडियन सोलर व्हीकल चैंपियनशिप में किया गया, जिसमें कार को मेन एंडयोरेंस तथा लाइटवेट श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ जबकि टीम ने ओवरऑल प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया। छात्रों की प्रतिभा पुरस्कृत होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने टीम को बधाई दी तथा वाहन को डिजाइन एवं तैयार करने में सहयोग देने वाली सभी फैकल्टी सदस्यों एवं छात्रों की सराहना की।

इंडियन सोलर व्हीकल चैंपियनशिप का आयोजन सौर ऊर्जा के प्रभावी उपयोग के नवीनतम विचारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया जाता है। छात्रों द्वारा सौर ऊर्जा से संचालित कार के निर्माण छह महीने का समय तथा लगभग 1.5 लाख रुपये की लागत आई है।

कुलपति ने कहा कि इस प्रकार की परियोजनाओं से सही मायने में इंजीनियरिंग के कौशल सीखने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के स्रोत के रूप में जैव ईंधन के नियमित



सौर ऊर्जा के साथ-साथ बिजली से चलने कार के पुरस्कृत होने के बाद मिली ट्राफी को वाइएमसीए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी कुलपति को दिखाते हुए ● जागरण

इस्तेमाल के परिणाम स्वरूप तेजी से जलवायु परिवर्तन हो रहा है, जिससे प्रदूषण का स्तर भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि देश में ऑटोमोबाइल का भविष्य सौर ऊर्जा तथा हाईब्रिड व्हीकल है, जो प्रदूषण कम करने के साथ-साथ ऊर्जा की भी बचत करते हैं।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग के सहायक प्रोफेसर तथा परियोजना में छात्रों के मार्गदर्शक रहे डॉ. कृष्ण वर्मा ने बताया कि छात्रों द्वारा बनाई गई सोलर कार का वजन 138 किलोग्राम है और यह एक बार चार्ज होने पर 45 किमी प्रति घंटे की गति से 150 किलोमीटर तक जा सकती है। यह बिजली द्वारा चार्ज करने पर चार घंटे का समय लेती है और 240 वॉट मोनोक्रिस्टेलाइन (48 वॉल्ट) सोलर

पैनल के माध्यम से भी चार्ज हो सकती है। इसमें 48 वॉल्ट की लिथियम आयन बैटरी लगी है जो इसे स्टार्ट बैकअप प्रदान करती है।

टीम की कैप्टन पल्लवी शर्मा ने बताया कि हालांकि कार को चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के उद्देश्य से बनाया गया था, लेकिन इसका प्रयोग घरेलू उपयोग के लिए भी किया जा सकता है। यह पर्यावरण को प्रदूषित करने वाले पेट्रोलियम आधारित वाहनों का विकल्प है। अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में टीम के एक अन्य सदस्य कृष्ण झा ने बताया कि हमारा अगला लक्ष्य वाहन को इस तरह से अपग्रेड करना तथा डिजाइन में बदलाव करना है, ताकि सोलर ऊर्जा का अधिक से अधिक दक्षता से प्रयोग हो सके।



YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)

Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 24.03.2018

AMAR UJALA



फरीदाबाद में वाईएमसीए विश्वविद्यालय के छात्रों ने बनाई सोलर कार
बातचीत करते कुलपति दिनेश कुमार ।

विद्यार्थियों की बनाई सोलर कार को पुरस्कार

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की 25 सदस्यीय इंजीनियरिंग विद्यार्थियों की टीम ने सौर ऊर्जा से चलने वाली कार बनाई है। इस कार का प्रदर्शन महर्षि मारकंडेश्वर विश्वविद्यालय, मुलाना हिसार में आयोजित इंडियन सोलर व्हीकल चैंपियनशिप में किया गया। इसमें कार को मेन एंडगोरेंस और लाइटवेट श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ, जबकि ओवरआल प्रतियोगिता में दूसरा स्थान मिला। इंडियन सोलर व्हीकल चैंपियनशिप का आयोजन सौर ऊर्जा के प्रभावी उपयोग के नवीनतम विचारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया जाता है। विद्यार्थियों द्वारा सौर ऊर्जा से संचालित कार के निर्माण छह महीने का समय और लगभग 1.5 लाख रुपये की लागत आई है। ब्यूरो



YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)

Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 24.03.2018

NAV BHARAT TIMES

वाईएमसीए के स्टूडेंट्स की कार रही फर्स्ट

■ वस, फरीदाबाद: वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स की 25 सदस्यीय टीम ने सौर ऊर्जा से चलने वाली कार बनाई है। इस कार का प्रदर्शन महर्षि मारकंडेश्वर विश्वविद्यालय, मुलाना में आयोजित इंडियन सोलर वीइकल चैंपियनशिप में किया गया, जिसमें कार को श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार मिला, जबकि टीम ने ओवरऑल प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि सौर ऊर्जा से संचालित कार के निर्माण में 6 महीने का समय और करीब 1.5 लाख रुपये की लागत आई। मिक्ैनिकल इंजीनियरिंग के सहायक प्रोफेसर तथा परियोजना में विद्यार्थियों के मार्गदर्शक रहे डॉ. कृष्ण वर्मा ने बताया कि सोलर कार का वजन 138 किलो है और यह एक बार चार्ज होने पर 45 किमी प्रति घंटे की गति से 150 किमी तक जा सकती है। टीम की कैप्टन पल्लवी शर्मा थीं।



Punjab Kesari

वाईएमसीए विश्वविद्यालय के छात्रों की बनाई सोलर कार को मिला पुरस्कार

सौर ऊर्जा के साथ ही बिजली से चलने में भी सक्षम

फरीदाबाद, 23 मार्च (ब्यूरो): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद की 25 सदस्यीय इंजीनियरिंग विद्यार्थियों की टीम ने सौर ऊर्जा से चलने वाली कार बनाई है। इस कार का प्रदर्शन महर्षि मार्कण्डेय विश्वविद्यालय, मुलाना में आयोजित इंडियन सोलर व्हीकल चैम्पियनशिप में किया गया जिसमें कार को मेन एंटरप्रेंस तथा लाइटवेट श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ जबकि टीम ने ओवरऑल प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल

किया। इंडियन सोलर व्हीकल चैम्पियनशिप का आयोजन सौर ऊर्जा के प्रभावी उपयोग के नवीनतम विचारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया जाता है। विद्यार्थियों द्वारा सौर ऊर्जा से संचालित कार के निर्माण छह महीने का समय तथा लगभग 1.75 लाख रुपये की लागत आई है।

कुलपति प्रोफ़. दिनेश कुमार ने विद्यार्थियों को जीत पर बधाई दी तथा वाहन को डिजाइन एवं तैयार करने में सहयोग देने वाली सभी फैकल्टी सदस्यों एवं विद्यार्थियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की परियोजनाओं से सही मायने में इंजीनियरिंग के कौशल सीखने



सौर ऊर्जा से चलने वाली कार के साथ टीम के सदस्य।

का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के स्रोत के रूप में जैव ईंधन के नियमित इस्तेमाल के परिणाम स्वरूप तेजी से जलवायु परिवर्तन हो रहा है, जिससे प्रदूषण का स्तर भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि देश में ऑटो मोबाइल का भविष्य सौर ऊर्जा तथा हाईब्रिड व्हीकल है जो प्रदूषण कम करने के साथ-साथ ऊर्जा की भी

बचत करते हैं।

इंजीनियरिंग के सहायक प्रोफ़ेसर तथा परियोजना में विद्यार्थियों के मार्गदर्शक रहे डॉ. कृष्ण वर्मा ने बताया कि विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई सोलर कार का वजन 138 किलोग्राम है और यह एक बार चार्ज होने पर 45 किमी प्रति घंटे की गति से 150 किलोमीटर तक जा सकती है। यह बिजली द्वारा चार्ज करने पर चार घंटे का समय लेती है और 240 वॉट मोनोक्रिस्टलिन (48 वॉल्ट) सोलर पैनल के माध्यम से भी चार्ज हो सकती है। इसमें 48 वॉल्ट की लिथियम आयन बैटरी लगी है जो इसे स्टार्ट बैकअप प्रदान करती है।

